शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

सिवनी

# राष्ट्रबाण

संपादक : संजय बघेल

• वर्ष : 11 • अंक : 169 • पृष्ठ : 06 • मूल्य : 5.00 रुपए

गुरुवार 05 नवंबर 2026

E-PAPER: www.rashtrabaan.in

www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

## न्यूज ब्रीफ

### बंगाल में पत्नी का कटा सिर लेकर घूमता रहा पति

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर में एक व्यक्ति ने पत्नी का सिर काट दिया। इसके बाद सिर हाथ में लेकर इलाके में घूमता रहा। मामला गंगारामपुर के नारायणपुर इलाके का है। लोगों ने उसे सिर लेकर घूमते देखा तो इलाके में दहशत फैल गई। कुछ देर बाद आरोपी एक मंदिर में पहुंचा और वहां बैठकर हाथ जोड़कर प्रार्थना करने लगा। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने महिला का शव घर से बरामद किया और आरोपी पति रिंटू घोष को हिरासत में ले लिया। मृतका की पहचान सीमा सरकार घोष के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से हत्या में इस्तेमाल किया हथियार भी बरामद किया है। घटना के पीछे घरेलू विवाद की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस अन्य कारणों की भी जांच कर रही है।

### शरद पवार को पुणे के अस्पताल से छुट्टी मिली

**पुणे।** एनसीपी प्रमुख शरद पवार को पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक से बुधवार को छुट्टी मिल गई। उन्हें सीने में दर्द की शिकायत के बाद दो दिन पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फोन कर शरद पवार के स्वास्थ्य का हाल जाना।

### तमिलनाडु-केरलम में 11 जगहों पर ईडी की छापेमारी

**नईदिल्ली।** प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को तमिलनाडु और केरल में 11 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई भारत लजना मल्टी स्टेट को-ऑपरेटिव सोसायटी और उसके प्रमोटर आर. प्रेमकुमार के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत की गई। प्रेमकुमार सोसायटी के संस्थापक सदस्य और वास्तविक चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। ईडी की कोच्चि यूनिट ने पीएमएलए के तहत यह कार्रवाई की। ईडी का आरोप है कि प्रेमकुमार ने सोसायटी में लोगों की जमा करोड़ों रुपए की रकम अपनी पत्नी और रिश्तेदारों के खातों में ट्रांसफर कराई।

### हैदराबाद में नकली नोटों का कारोबार पकड़ाया

**हैदराबाद।** तेलंगाना के हैदराबाद में पुलिस ने नकली नोट बनाने और चलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से ज6.78 करोड़ कीमत के नकली नोट बरामद किए हैं। फ्यूचर सिटी के पुलिस कमिश्नर तरुण जोशी के मुताबिक, सभी नोट ज500 के हैं।

# अग्निवीर अब 6 साल नौकरी करेंगे: 3.18 लाख अग्निवीरों का कार्यकाल बढ़ा




### 25% पहले जैसे परमानेंट होंगे, बाकी 75% को फायदा

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

**अग्निवीर** अब चार की बजाय छह साल तक सेना में नौकरी कर सकेंगे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बुधवार को दो साल का सेवा विस्तार देने का ऐलान किया। इसका फायदा उन 75% अग्निवीरों को मिलेगा, जिन्हें पहले चार साल बाद सेवा छोड़नी पड़ती थी। अभी हर बैच के 25% अग्निवीरों को चार साल बाद मेरिट के आधार पर नियमित सेना में शामिल किया जाता है। बाकी 75% को सेवा से बाहर होना पड़ता है। नए नियम में 25% अग्निवीरों को नियमित करने का पुराना नियम जारी रहेगा।

बाकी 75% को उनकी सहमति से दो साल और नौकरी करने का मौका मिलेगा। इस दौरान उन्हें बढ़ी हुई सैलरी और भत्ते भी मिलेंगे। छह साल बाद भी सेना में नौकरी करने के इच्छुक अग्निवीरों को चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा। फिलहाल तीनों सेनाओं में करीब 3.18 लाख अग्निवीर सेवा दे रहे हैं।

### सवाल-जवाब में समझिए पूरा बदलाव...

**सवाल 1. सीडीएस ने अग्निवीरों के लिए क्या नया ऐलान किया है?**
जवाब : अब चार साल की सेवा पूरी करने के बाद बाहर होने वाले 75% अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार देने का फैसला किया गया है। इसके बाद उन्हें नियमित सैनिक बनने का एक और मौका मिलेगा। चयन मेरिट के आधार पर होगा।

**सवाल 2. पहले अग्निवीरों के लिए क्या व्यवस्था थी?**
जवाब : जून 2022 में अग्निपथ योजना शुरू की गई थी। इसके तहत युवाओं को 4 साल के लिए सेना में भर्ती किया जाता था। चार साल बाद अधिकतम 25% अग्निवीरों को नियमित कैडर में शामिल करने का प्रावधान था। बाकी 75% को सेवा से मुक्त होना था।

**सवाल 4. क्या अब सभी अग्निवीर छह साल सेना में रहेंगे?**
जवाब : नहीं। नई व्यवस्था के मुताबिक, चार साल पूरे करने वाले शेष 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा अवसर दिया जाएगा। यह स्पष्ट नहीं है कि सभी अग्निवीरों के लिए यह विस्तार अनिवार्य होगा या इसके लिए अलग शर्तें लागू होंगी।

**सवाल 5. क्या छह साल बाद सभी को पक्की नौकरी मिल जाएगी?**
जवाब : नहीं। सीडीएस के ऐलान के मुताबिक, अतिरिक्त दो साल की सेवा पूरी करने के बाद नियमित सैनिक बनने का अवसर मिलेगा। लेकिन चयन मेरिट और प्रदर्शन के आकलन के आधार पर होगा। सभी को स्थायी नौकरी की गारंटी नहीं दी गई है।

**सवाल 6. भर्ती प्रक्रिया में भी बदलाव हुआ है?**
जवाब : हां। अब अग्निवीर भर्ती में लिखित परीक्षा पहले होगी और फिजिकल टेस्ट बाद में कराया जाएगा। पहले चयन प्रक्रिया में फिजिकल टेस्ट लिखित परीक्षा से पहले होता था।

**सवाल 7. क्या अग्निवीरों को स्किल सर्टिफिकेट भी मिलेगा?**
जवाब : हां। सीडीएस ने सेवा के दौरान प्राप्त प्रशिक्षण और अनुभव के आधार पर स्किल सर्टिफिकेट देने की जानकारी दी है। इससे अग्निवीरों के सैन्य प्रशिक्षण और कौशल को औपचारिक मान्यता मिलेगी।

**सवाल 8. इस बदलाव की जरूरत क्यों पड़ी?**
जवाब : अग्निपथ योजना के तहत भर्ती हुए पहले बैच का चार साल का कार्यकाल 2026 में पूरा हो रहा है। करीब 18 हजार अग्निवीरों को दिसंबर 2026 तक सेवा से बाहर होना था। ऐसे में सेना में प्रशिक्षित जवानों के अनुभव का इस्तेमाल जारी रखने और उन्हें आगे सेवा का अवसर देने के लिए यह बदलाव किया गया है।

### दिसंबर तक 18,300 अग्निवीरों का कार्यकाल पूरा होना था

आंकड़ों के मुताबिक 31 दिसंबर तक पहले बैच के करीब 18,300 अग्निवीरों का चार साल का कार्यकाल पूरा होने वाला है। ये पहले बैच में भर्ती हुए 24,400 अग्निवीरों का करीब 75% हैं। पहले तय योजना के मुताबिक नवंबर के मध्य से 75% अग्निवीरों को चरणबद्ध तरीके से सेवा से बाहर किया जाना था। नई व्यवस्था के तहत अब इन्हें दो साल का अतिरिक्त समय मिलेगा। यह सेवा विस्तार अग्निवीरों की सहमति से होगा। पिछले महीने एयरफोर्स ने अपने पहले अग्निवीर बैच के 2,850 रिक्रूट्स में से 712 को नियमित सेवा में बनाए रखने का फैसला किया था।

# 'दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव से रोकना गलत' : सुप्रीम कोर्ट

### बोला- कानून पर विचार की जरूरत ; 5 राज्यों में लागू है नियम

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

**सुप्रीम** कोर्ट ने कहा है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। कोर्ट ने बताया कि भारत की कुल प्रजनन दर 2003 में 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। 2.1 की प्रजनन दर को रिप्लेसमेंट रेट माना जाता है। इससे कम प्रजनन दर का मतलब है कि एक पीढ़ी अपनी जगह अगली पीढ़ी को पूरी तरह नहीं ले पाएगी। कोर्ट ने कहा कि प्रजनन दर में गिरावट से बुजुर्गों की आबादी बढ़ सकती है और कामकाजी लोगों की संख्या घट सकती है। इन बदलावों को नजरअंदाज करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव को राहत दी। उन्हें तीसरे बच्चे के जन्म के कारण अयोग्य ठहराया गया था। बेंच ने 2003 के उस फैसले पर दोबारा विचार के लिए मामला बड़ी बेंच के पास भेज दिया, जिसमें दो बच्चों की शर्त को सही ठहराया गया था।

### कोर्ट बोला- मौजूदा कानून राजनीतिक अधिकारों से वंचित करते हैं

बेंच ने कहा कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून नागरिकों के एक पूरे वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर कर देते हैं। इसका किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से कोई खास संबंध नहीं है। कोर्ट के मुताबिक, ऐसे कानून लोगों को बच्चे पैदा करने या लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर करते हैं। इससे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले प्रजनन से जुड़े फैसले लेने की आजादी के




अधिकार का उल्लंघन होता है। महाराष्ट्र में तीसरे बच्चे के कारण महिला को अयोग्य ठहराया गया था ममंगला भीमराव महाराष्ट्र की काकोड़ा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच थीं। महाराष्ट्र ग्राम पंचायत अधिनियम, 1959 की धारा 14(1)(द्ध-1) के तहत दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने का प्रावधान है। इसी नियम के तहत तीसरे बच्चे के जन्म के बाद उनके खिलाफ शिकायत की गई थी। अतिरिक्त कलेक्टर ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया था। इसके बाद उन्होंने अतिरिक्त आयुक्त के पास अपील की, लेकिन वहां से भी उन्हें राहत नहीं मिली। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 5 अगस्त 2025 को उनकी अयोग्यता बरकरार रखी थी। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की।

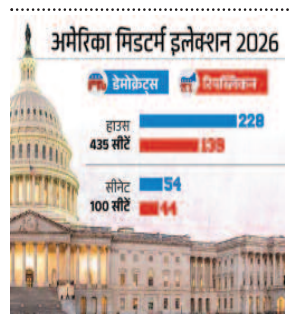
### 7 राज्यों ने दो बच्चों की शर्त खत्म की

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश वकील रुक्मिणी बोबडे को कोर्ट की मदद के लिए एमिकस क्यूरी नियुक्त किया था। कोर्ट ने उनसे और याचिकाकर्ता के वकील प्रतीक बोरंबडे से उन राज्यों की सूची मांगी थी, जहां दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने पर रोक है। रुक्मिणी बोबडे की ओर से दी गई सूची के मुताबिक, 7 राज्यों ने दो बच्चों की शर्त खत्म कर दी है, जबकि 15 राज्यों में ऐसी कोई नीति नहीं है। 2003 में जावेद बनाम हरियाणा राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने हरियाणा पंचायती राज अधिनियम, 1994 में दो बच्चों की शर्त को संवैधानिक रूप से सही ठहराया था।

# ट्रम्प दोनों सदनों में मिडटर्म इलेक्शन हारे

### डेमोक्रेट्स को बहुमत :अमेरिका के पहले मुस्लिम सीनेटर बनेंगे अब्दुल अल-सैयद, ट्रम्प ने 'जिहादी' कहा था

राष्ट्रबाण | वॉशिंगटन डीसी | एजेंसी
rashtrabaan.in




**अमेरिका** के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को हार मिली है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर लिया है। वहीं, मिशिगन में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल सैयद ने जीत हासिल की। इसके साथ ही वह अमेरिकी इतिहास में सीनेटर चुने जाने वाले पहले मुस्लिम बन गए हैं।

ट्रम्प ने अब्दुल को खुले मंच से 'जिहादी' कहा था। 25 अक्टूबर को मिशिगन में एक चुनावी रैली के दौरान ट्रम्प ने कहा था, मैं यहां एक जिहादी और मुस्लिम ब्रदरहुड के सदस्य को अमेरिकी सीनेटर बनने से रोकने आया हूं।

ट्रम्प ने अब्दुल पर आतंकियों का साथ देने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि अगर अल-सैयद सीनेटर बनते हैं, तो उन्हें संसद में जाने से पहले मेटल डिटेक्टर से गुजरना चाहिए। उन्होंने 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों का जिक्र करते हुए अल-सैयद की तुलना विमान हाईजैक करने वाले आतंकियों से भी की।

### हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स

हाउस में कुल 435 सीटें हैं और सभी सीटों पर चुनाव हुए हैं। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 228 सीटें जबकि ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने 139 सीटें जीती हैं।

### सीनेट

सीनेट की 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 33 सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं। इनमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने 20 और रिपब्लिकन पार्टी ने 13 सीटें जीती हैं। बाकी 2 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। इन नतीजों को मिलाकर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 54 और रिपब्लिकन पार्टी के पास 44 सीटें हैं।

### गवर्नर

कुल 36 सीटों में से 34 राज्यों के नतीजे आ चुके हैं। 22 डेमोक्रेट्स और 12 रिपब्लिकन ने सीटें जीती हैं। 2 राज्यों में वोटों की गिनती जारी है।

### हार के बावजूद ट्रम्प ईरान पर हमला कर सकते हैं

ट्रम्प ने कहा है कि वे ईरान पर दोबारा हमला करने का विकल्प खुला रखे हुए हैं। न्यूज वेबसाइट पॉलिटिको को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि अगर कार्रवाई का मौका मिला तो वे वही करेंगे, जो अमेरिका के हित में होगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान पर हमला करने का उनका फैसला सही था और वे आज भी इस पर कायम हैं। इससे पहले उन्होंने ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े ठिकाने 'पिकएक्स माउंटेन' पर हमले की संभावना भी जताई थी।

# राहुल गांधी ने पीएम मोदी को बहस की चुनौती दी

### बोले- मोदी देशद्रोही, 1 साल में निपट जाएगी सरकार ; पंजाब में कत्ल करना फैशन बना

राष्ट्रबाण | संगरूर | एजेंसी
rashtrabaan.in

**कांग्रेस** नेता राहुल गांधी ने कहा कि मैंने पीएम नरेंद्र मोदी को डिबेट की चुनौती दी है। मैंने उन्हें कहा है कि कहीं भी आकर मेरे साथ डिबेट कर लो, लेकिन वह मेरे सामने आकर बैठ नहीं सकते हैं। मैं गारंटी देता हूं कि 5 मिनट में उन्हें देशद्रोही साबित कर दूंगा। मोदी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नियत्रंति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरा अनुमान है कि मोदी सरकार एक साल में निपट जाएगी। 3 साल बाद अमित शाह होम मिनिस्टर नहीं होंगे।

ये बातें उन्होंने पंजाब के संगरूर में इंसाफ रैली के दौरान कही। संबोधन की शुरुआत में वह पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह को स्टेज पर लाए। राहुल गांधी ने कहा कि सिद्धू मूसेवाला के साथ जो हुआ, वह आज पंजाब में एक फैशन बन गया है। पंजाब में नशा सबसे बड़ा मुद्दा है। भगवंत मान दिल्ली में थे तो हमें चुटकुले सुनाते थे। सुबह 11 बजे उनके मुंह से शराब की बदबू आती थी। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर पीएम को बहस की चुनौती दी। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश में वोट चोरी हुई है और कई जगह वोट चोरों की सरकार चल रही है। उन्होंने दिल्ली में बैठी सरकार वोट चोरों की सरकार है।



### कांग्रेस की सरकार बनाइए

राहुल गांधी ने पंजाब के लोगों से कांग्रेस की सरकार बनाने की अपील करते हुए कहा कि पंजाब को पंजाब की सरकार दीजिए। कांग्रेस की सरकार दीजिए। ऐसी सरकार चुनिए जो नशे के खिलाफ लड़े, ड्रग्स खत्म करे, युवाओं को रोजगार दे, उद्योगों को बचाए और किसानों के साथ खड़ी रहे।

### आंध्र में मुरासु तूफान के चलते 35 ट्रेनें रद्द

**नई दिल्ली।** आंध्र प्रदेश में चक्रवाती तूफान मुरासु ने भारी तबाही मचाई है। तूफान से 2 लोगों की मौत हो गई और 52 हजार हेक्टेयर से ज्यादा फसलें बर्बाद हो गईं। इसके कारण 35 से ज्यादा ट्रेनें रद्द करनी पड़ी हैं। 12,230 लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, तूफान से राज्य को करीब 344 करोड़ का नुकसान हुआ है। आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। उत्तर प्रदेश में ठंड ने दस्तक दे दी है। बीते 24 घंटों में तापमान में करीब 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई।

# छात्रा को नंबर दिया तो श्मशान ले गए...अर्धनग्न कर पीटा : वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला

### छात्र की शिकायत पर 4 आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रबाण | उज्जैन | एजेंसी
rashtrabaan.in

**उज्जैन** में 12वीं के छात्र को सिर्फ इसलिए बेल्ट और डंडों से पीटा गया, क्योंकि उसने अपनी सहपाठी छात्रा को अपना मोबाइल नंबर दे दिया था। बदमाशों ने मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी अपलोड कर दिया। घटना तराना तहसील के कनार्दी गांव की है।

**बस में साथ पढ़ने वाली छात्रा ने मांगा था नंबर**

समान स्कूल और बसः पीड़ित छात्र अपने गांव के ही सरकारी स्कूल में पढ़ता है। उसी गांव की एक छात्रा भी उसके साथ बस से स्कूल आती-जाती है।

मिस्ड कॉल से नाराजगीः छात्रा ने छात्र से मोबाइल नंबर मांगा था, जिस पर छात्र ने अपना नंबर दे दिया। बाद में छात्रा ने उसके वॉट्सएप पर दो बार मिस्ड कॉल भी किए थे। इसी बात को लेकर आरोपी युवक नाराज चल रहे थे।

आरोपियों ने अपनी धाक जमाने के लिए मारपीट की पूरी घटना का वीडियो बनाया और उसे इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया।

### बहला-फुसलाकर श्मशान ले गए थे

**घर के बाहर से ले गए :** 1 नवंबर की शाम करीब 7 बजे पीड़ित छात्र अपने घर के बाहर खड़ा था, तभी तौफीक खान और शोएब शाह बाइक से पहुंचे, उसे अपने साथ चलने को कहा।

**घात लगाकर हमला :** दोनों आरोपी छात्र को श्मशान घाट के पास ले गए, जहां अल्फेज शाह और वकील खान पहले से मौजूद थे।

**बर्बरता और धमकी :** आरोपियों ने छात्र को अर्धनग्न कर दिया और बेल्ट-डंडों से उसकी पिटाई की। जाते समय आरोपियों ने धमकी दी कि दोबारा किसी को नंबर दिया या पुलिस में शिकायत की तो जान से मार देंगे।

### आरक्षण सामाजिक आधार पर जारी रहना चाहिए, राजनीति के लिए इस्तेमाल न हो

# संघ सरकार्यवाह बोले- राम मंदिर बनाकर दिखा दिया

राष्ट्रबाण | इंदौर | एजेंसी
rashtrabaan.in

**इंदौर** में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक बुधवार को समाप्त हो गई। डेली कॉलेज में 2 नवंबर से चल रही इस बैठक में देशभर से करीब 400 प्रतिनिधि शामिल हुए। समापन के बाद सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने आरक्षण, मंदिरों के मामलों, संगठन विस्तार, स्ट्रक्र संघ के पंजीयन और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर संघ का पक्ष रखा।

आरक्षण पर होसबाले ने कहा कि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को जब तक समान अवसर नहीं मिलते, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए। इसका लाभ सभी पात्र लोगों तक पहुंचना चाहिए। आरक्षण सामाजिक और ऐतिहासिक परिस्थितियों के आधार पर हो, राजनीति के लिए नहीं।

कृष्ण जन्मभूमि समेत अदालतों में चल रहे मंदिरों के मामलों पर उन्होंने कहा, 'हमें राम मंदिर बनाकर दिखाना था, वह हमने बना दिया। बाकी मामले कोर्ट में चल रहे हैं, उन्हें वहीं रहने देना चाहिए।'

**बंगाल में 150 गुना बढ़ीं शाखाएं, केरल के हर गांव तक पहुंचने का दावा**

संघ की शाखाओं के विस्तार पर होसबाले ने कहा कि पश्चिम बंगाल में शाखाओं की संख्या पहले की तुलना में 150 गुना बढ़ी है। पहले वहां शाखाएं लगाने का विरोध होता था। त्रिपुरा और असम में संघ के कई कार्यकर्ताओं की हत्या भी हुई, लेकिन संगठन का काम जारी रहा। मिजोरम में दो जगह और लद्दाख में भी शाखाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने दावा किया कि केरल के सभी गांवों में संघ की शाखाएं हैं। होसबाले ने कहा कि युवाओं को नशे से बचाने के लिए संघ विशेष योजना बनाएगा। जो युवा ड्रग्स और नशे की गिरफ्त में आ चुके हैं, उनकी काउंसलिंग की जाएगी।

### एक साल में 10,241 नए स्थानों तक पहुंचा संघ



होसबाले ने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष में संगठन का विस्तार हुआ है। एक साल में संघ की पहुंच 10,241 नए स्थानों तक बढ़ी है। अब देश के 63,208 स्थानों पर 99,423 शाखाएं संचालित हो रही हैं। इसके अलावा 34,982 साप्ताहिक मिलन और 14,096 मासिक मंडलियां भी चल रही हैं। इन गतिविधियों के जरिए संघ की पहुंच कुल 1,03,397 स्थानों तक हो गई है। सामाजिक एकता और समरसता के लिए देशभर में 94,218 हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए। संघ के मुताबिक, इनमें करीब पांच करोड़ लोगों ने भाग लिया।



# बच्चों की सेहत और तेज दिमाग के लिए वास्तु एक्सपर्ट से जानें टिप्स

**अगर आप चाहती हैं कि बच्चे अपने काम के लिए फोकस्ड रहें और अच्छी पढ़ाई करें तो वास्तु एक्सपर्ट नरेश सिंगल के बताए इन टिप्स को जरूर अपनाएं।**

बच्चों से घर गुलजार रहता है। बच्चों की किलकारियों से घर-आंगन में हमेशा चहल-पहल रहती है और घर में उदासीनता का नामो-निशान नहीं रहता। बच्चे किसी भी परिवार की अहम कड़ी होते हैं। बच्चे माता-पिता को जिंदगी जीने का मकसद देते हैं। बच्चों के लिए पेरेंट्स बड़े से बड़ा त्याग करने को भी तैयार रहते हैं और कितनी ही मुश्किलें उठाते हैं। पेरेंट्स हर संभव प्रयास करते हैं कि उनके बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो और उन्हें कामयाबी मिले।

बच्चों का अच्छा विकास हो, उनकी याद्दाश्त तेज रहे, वे फोकस्ड रहें और कुछ अच्छा करने के लिए इंस्पायर्ड रहें, इसके लिए बहुत जरूरी है कि बच्चों का कमरा वास्तु के अनुकूल हो। इससे बच्चों का पढ़ाई में मन लगता है। अगर घर को वास्तु के अनुसार रखा जाए तो इससे बच्चों का फोकस बना रहता है और वे ज्यादा एकाग्रता के साथ पढ़ाई करने में सफल होते हैं, जिसका नतीजा अच्छे रिजल्ट्स के रूप में सामने आता है।

बच्चोंका कमरा वास्तु के अनुसार होने से उन्हें अच्छी नींद अच्छी आती है, उनकी स्मरण शक्ति बढ़ती है और सेल्फ स्टडी में भी उनका मन लगता है। इसी का नतीजा एक्जाम में उनके अच्छे रिजल्ट के तौर पर सामने आता है। वास्तु एक्सपर्ट नरेश सिंगल आज आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे टिप्स, जिनके जरिए आप बच्चों का कमरा वास्तु सम्मत बना सकती हैं।

## ये वास्तु टिप्स आएंगे काम

- वास्तु के अनुसार छोटे बच्चों का बेडरूम पश्चिम दिशा में बनाना चाहिए। बेटी का बेड रूम उत्तर-पश्चिम में बनाएं, वहीं लड़के के लिए उत्तर एवं पूर्व दिशा में बेडरूम बनाएं।
- बच्चों के बेडरूम का दरवाजा उत्तर या पूर्व दिशा में हो और जहां तक हो सके दरवाजा एक ही लगाएं।
- कमरे में खिड़कियां दरवाजे की विपरीत दिशा में हों। खिड़की अगर पश्चिमी दीवार पर हो, तो वह उत्तर व पूर्व की दीवार में बनी खिड़की की तुलना में छोटी होनी चाहिए।
- फर्नीचर दीवार से सटाकर नहीं, बल्कि कुछ इंच की दूरी पर रखें।
- बेड दक्षिण दिशा में रखना चाहिए। बेड के चारों ओर थोडा-सा खुला स्थान छोड़ें। अगर यह संभव न हो तो बेड को दक्षिण-पश्चिमी कोने में अथवा दक्षिणी या पश्चिमी कोने में रख सकते हैं।
- सोते समय बच्चों को अपना सिर पूर्व की ओर रखना चाहिए। इससे उनकी स्मरण-शक्ति बढ़ती है।
- अलमारी या कैबिनेट को कमरे में दक्षिणी या पश्चिमी हिस्से में रखें।
- कंप्यूटर और टेलिविजन बच्चों के कमरे में नहीं रखने चाहिए। अगर रखें तो टेलीविजन दक्षिण-पूर्व में जबकि कंप्यूटर पूर्वी दिशा में लगाएं।
- बच्चों के बेड रूम में एलसीडी मोनिटर नहीं लगाना चाहिए। एलसीडी मॉनिटर में लगा शीशा नकारात्मक ऊर्जा का संवाहक बनता है, इसीलिए वह बच्चों के बेड रूम के लिए ठीक नहीं है।
- कमरे में अगर स्टडी टेबल रखनी हो तो उसे दक्षिण दिशा में रखें, जिससे अध्ययन के दौरान बच्चे का मुख उत्तर, पूर्व अथवा उत्तर-पूर्व में रहे। इससे वे पढ़ाई में एकाग्रचित होंगे।
- बच्चों के कक्ष में प्रकाश के लिए लाइट दक्षिण-पूर्व में लगाएं। ध्यान रखें कि बच्चों के कमरे में स्पॉट लाइट या तेज रोशनी वाली लाइट्स न हों। यह मानसिक तनाव का कारण बनती हैं।
- बच्चों के कमरे में हरा रंग सबसे बेहतर होता है। यह रंग ताजगी और शांति प्रदान करता है।
- इन उपायों को अपनाएं और कुछ ही दिनों में आपको अपने बच्चों में सकारात्मक बदलाव नजर आने लगेगा। दरअसल बच्चों का कमरा वास्तु सम्मत होने से उन्हें ज्यादा से ज्यादा पॉजिटिव एनर्जी मिलती है, जिसका उन पर काफी अच्छा प्रभाव पड़ता है। और नतीजा ये होता है कि बच्चों की छोटी-छोटी चीजों के लिए आपको परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि बच्चे खुद अपनी चीजों के लिए सजग हो जाते हैं।



# इन बातों को अपनाकर शरारती बच्चों को बना सकते हैं समझदार

**शरारती बच्चे को संभालना काफी ज्यादा मुश्किल होता है। इस तरह के बच्चे पैरेंट्स के लिए सिरदर्द से कम नहीं होते हैं। बच्चे की इन हरकतों को सुधारने के लिए आप इन बातों को अपना सकते हैं।**

बच्चों की शरारत दूसरों को काफी अच्छी लगती है लेकिन पैरेंट्स अक्सर ऐसे शरारती बच्चे से परेशान रहते हैं। अगर बच्चे की मांग पूरी न होने पर बच्चा इधर-उधर भागता है और चिल्लाता है या रोता-चिल्लाता है, तो आप अपना आपा खो सकते हैं और उसे डांट सकते हैं। आप यह भी सोच सकते हैं कि आपने ऐसा क्या गलत किया जिसका रिजल्ट आपके बच्चे का ऐसा व्यवहार हुआ। बच्चे को समझदार बनाने के लिए आप कुछ टिप्स को अपना सकते हैं।

### लिमिट करें फिक्स

आपका बच्चा जो कुछ भी कहता है उसे स्वीकार न करें। बच्चे के लिए लिमिट फिक्स करें और यह तय करने की जिम्मेदारी न लें। थोड़ा स्ट्रिक्ट रहें लेकिन सॉफ्ट रहें।

### स्क्रीन टाइम करें फिक्स

अगर बच्चा बिना किसी लिमिट के लगातार कार्टून देखता है तो उसका व्यवहार थोड़ा शरारती हो सकता है। इसलिए इस बात की सीमा निर्धारित करें कि आपका बच्चा कितनी देर तक टीवी देख सकता है या फोन में गेम खेल सकता है।

### चिल्लाने से बचें

अपना आपा न खोएं और अपने बच्चे पर चिल्लाने से बचें, यह उल्टा है क्योंकि इससे वह कुछ समय के लिए अपने नखरे बंद कर देगा, लेकिन वह आगे जाकर आपकी नकल करना भी सीख जाएगा।

### रोजाना का रूटीन करें सेट

जब आपके बच्चे की स्कूल से छुट्टियां हों, तो उसके लिए एक रूटीन करें सेट। सोने और खाने के रूटीन भी सेट करें।

### अपने बच्चे पर अपना गुस्सा न निकालें

जब आपका मूड खराब हो, और आपका बच्चा ठीक से व्यवहार नहीं कर रहा हो, तो अपने गुस्से को उस पर न निकालें। शांत रहें और बच्चे को आराम से संभालें। आपका शांत व्यवहार आपका बच्चा नोट करेगा और वह केवल आपको देखकर गुस्से के क्षणों में शांत रहना सीखेगा।

### स्थिर रहो

हर दिन अपने बच्चों के साथ अलग व्यवहार न करें। अगप एक दिन आप अपने बच्चे के प्रति दृढ़ हैं और अगले दिन उदार हैं, तो वह आपको गंभीरता से नहीं लेगा। ऐसे में नियमों को स्थापित करने और उनका पालन करें।



# बुरे पैरेंट की कैटेगरी में लाकर खड़ा कर देती हैं आपकी ये गलतियां

**हर माता-पिता का यह सपना होता है कि उनके बच्चे को जीवन में उनसे ज्यादा कामयाबी और खुशियां मिलें। उनके बच्चे का जीवन उनसे कहीं ज्यादा सुंदर और उज्जवल बने। पर ऐसा करते और सोचते समय कई बार जाने-अनजाने में ये संकेत करते हैं इशारा कि आप कर रहे हैं है बुरी पैरेंटिंग**

हर माता-पिता का यह सपना होता है कि उनके बच्चे को जीवन में उनसे ज्यादा कामयाबी और खुशियां मिलें। उनके बच्चे का जीवन उनसे कहीं ज्यादा सुंदर और उज्जवल बने। पर ऐसा करते और सोचते समय कई बार जाने-अनजाने में माता-पिता कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जो उन्हें अच्छे नहीं बुरे पैरेंट की कैटेगरी में लाकर खड़ा कर देती हैं। आइए, पैरेंटिंग से जुड़ी ऐसी ही उन गलतियों के बारे में जानते हैं।

### बच्चे से जरूरत से ज़्यादा लगाव

जब आपका बच्चा खुद का ध्यान रखने लायक हो जाए तो उसे उसके हमउम्र दोस्तों के साथ छोड़ देना चाहिए, ताकि उसका सही तरीके से विकास हो सके। अगर आप अपनी लाइफ को बच्चे के इर्द-गिर्द ही समेटकर रखेंगी तो भले ही आपको यह उसकी परवाह लगे पर एक समय के बाद आपकी हर पल की मौजूदगी बच्चे को अखरने लगेगी और आप एक बुरे अभिभावक बन जाएंगे। बाहर का गुस्सा बच्चे पर न निकालें अगर आप भी दूसरों का गुस्सा अपने बच्चे पर निकालते हैं तो सतर्क हो जाएं। ऐसा करके आप बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं। आपके ऐसा हर बार करने से बच्चे के मन में आपके लिए कोई सम्मान नहीं रह जाएगा। वह आपसे प्रेम करने की जगह आपसे डरने या नफरत करने लगेगा।

### बच्चे को अपने ऊपर निर्भर रखना

अगर आपका बच्चा छोटी से छोटी बात के लिए आप पर ही निर्भर रहता है तो यह बहुत ही बुरा संकेत है। अगर आप अपने बच्चे से जुड़ा हर फैसला खुद ही लेते हैं, जैसे वह क्या करें, क्या नहीं करें, यहां तक कि किससे दोस्ती करनी चाहिए और किससे नहीं यह भी बताते हैं। तो आप एक गलत ट्रेंड सेट कर रहे हैं। आपके हमेशा अपने बच्चे की बात सुनकर उसे ही खुद अपने फैसले लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

### दूसरे बच्चों के साथ तुलना करना

कई बार माता-पिता दूसरे बच्चे से तुलना करके अपने बच्चे को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं, पर ऐसा करते समय वो कई बार अपनी बातचीत को नकारात्मकता से भर देते हैं। दरअसल दूसरे बच्चों से अपने बच्चे की तुलना करके आप उस पर बेवजह का दबाव डालते हैं, आप अपने बच्चे की उलब्धियों की कदर नहीं करते हैं। जिससे आपका बच्चा खुद को दूसरों से कमतर समझने लगता है।

# हाथ धोते समय बच्चे अक्सर करते हैं ये 3 बड़ी गलतियां

**बात जब पर्सनल हाइजीन की होती है तो सबसे पहला जिक्र धुले हुए साफ हाथों का किया जाता है। साफ हाथ व्यक्ति को वायरस, बैक्टीरिया और तरह-तरह के संक्रमण से बचाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पर क्या हाथ धोते समय बच्चे अक्सर करते हैं ये 3 बड़ी गलतियां**

बात जब पर्सनल हाइजीन की होती है तो सबसे पहला जिक्र धुले हुए साफ हाथों का किया जाता है। साफ हाथ व्यक्ति को वायरस, बैक्टीरिया और तरह-तरह के संक्रमण से बचाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पर क्या आप जानते हैं ज्यादातर बच्चे हाथ धोते समय कौन सी 3 बड़ी गलतियां कर बैठते हैं, जिसकी वजह से वो बार-बार बीमार पड़ जाते हैं। आइए जानते हैं।

### साबुन यूज न करना

बच्चे स्वभाव से बेहद चंचल होते हैं। यही वजह है कि उन्हें हर काम को करने की जल्दबाजी रहती है। ऐसे में जब उन्हें हाथ धोने के लिए कहा जाता है तो वो साबुन का इस्तेमाल करने से बचते हैं और सादे पानी से ही हाथ धो लेते हैं। जो की गलत है। पानी से हाथ धोने से हाथ साफ तो नजर आते हैं, लेकिन वास्तव में यह क्लीन नहीं होते। वहीं, साबुन एक रासायनिक प्रतिक्रिया बनाता है जो एक बार झाग बनाने के बाद कीटाणुओं को धो देता है।

### जल्दी-जल्दी हाथ धोना

बच्चों को हर काम की जल्दी रहती है फिर चाहे बात हाथ धोने की ही क्यों न हो। यह कॉमन मिसटेक ज्यादातर बच्चे करते हैं। बच्चे हाथों में साबुन लेकर उसे तुरंत ही पानी से धो देते हैं। जल्दबाजी में धोए गए हाथों से कीटाणु पूरी तरह साफ नहीं होते हैं। हमेशा बच्चों के हाथ धुलवाते समय यह सुनिश्चित करें कि बच्चे कम से कम 30 सेकंड तक हाथ अवश्य धोएं।

### गंदी जगहों को छूना

कई बार ऐसा होता है कि बच्चे हाथ तो धोते हैं, लेकिन उसके बाद वह गीले हाथों से ही गंदे दरवाजों या किसी अन्य जगहों को टच करते हैं। नम वातावरण बैक्टीरिया के जीवित रहने के लिए एक आदर्श स्थान है। जिसका अर्थ है कि गीले हाथ बैक्टीरिया के बढ़ने की अधिक संभावना पैदा करते हैं। इसलिए बच्चों के हाथ धोते ही उन्हें अच्छी तरह तौलिए से पोंछकर सुखा लें।

### हाथ धोने का सही तरीका

सबसे पहले सीधे हाथ पर साबुन लगाकर रगड़ें। इसके बाद बाद उल्टे हाथ, नाखून, अंगूठा व कलाई को ठीक से साफ करें। इस तरह हाथों को धोने से 90 फीसदी बीमारियों से बच सकते हैं। सही तरह से हाथ धुलने से कोरोना, टाइफाइड, पेट, त्वचा संबंधी रोग, आंख के संक्रमण आदि से भी बचा जा सकता है। हमेशा बच्चों के हाथ धुलवाते समय यह सुनिश्चित करें कि बच्चे कम से कम 30 सेकंड तक हाथ अवश्य धोएं।





# आँखों की साइज़ और बनावट को ध्यान में रख कर करें आय-मेकअप

**आय मेकअप हमेशा से ही ट्रेंडिंग रहा है। ज़माना सत्तर का हो या फिर साल 2023 आय-मेकअप बदला ज़रूर है मगर ख़त्म नहीं हुआ है। हर तरह की आँखों के लिए अलग आय-मेकअप होता है और आँखें आपके मेकअप का सबसे ज़रूरी पार्ट होता है, जिसे शायद ही कोई लड़की इग्नोर करती है लेकिन, आँखों के मेकअप के लिए सही तरीका हर किसी को नहीं पता। आपको बता दें कि आँखों की लेंस के रंग के हिसाब से भी मेकअप को एडजस्ट किया जाता है। वही आँखों की साइज़ और बनावट को भी आय-मेकअप करते हुए ध्यान में रखा जाता है।**

बॉलीवुड फ़िल्मों की खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक काजल अग्रवाल की आखें बड़ी-बड़ी और बहुत खूबसूरत हैं। काजल ने कहा कि वो अपना मेकअप करना खुद पसंद करती हैं मगर बिजी शेड्यूल की वजह से वो हमेशा ऐसा नहीं कर पाती। मेकअप को लेकर अपने इंटरेस्ट को उन्होंने यूं ही मन में नहीं रखा बल्कि कुछ-कुछ टिप्स वो अपने मेकअप आर्टिस्ट से अक्सर लेती रहती हैं। काजल ने बताया कि ऐसी ही एक इम्पोर्टेन्ट टिप उन्हें मिला है उनकी बड़ी आँखों के लिए। उन्हें पता चला है कि बड़ी आँखों को छोटा दिखाने के लिए और ज्यादा खूबसूरत दिखाने के लिए आपको कुछ टिप्स को फॉलो करना चाहिए। और ये टिप्स काजल ने हमारे साथ भी शेयर किये हैं।

### आयब्रोज़ का गहरा होना है ज़रूरी

काजल ने बताया कि हम हमेशा अपने आयब्रोज़ को इग्नोर करते हैं जो हमें नहीं करना चाहिए। बड़ी आँखों के लिए आयब्रोज़ का गहरा और डार्क होना बहुत ज़रूरी है। इस वजह से चेहरे पर सिर्फ आपकी आखें ही नहीं आपका फोरहेड भी खिलकर सामने आएगा। आयब्रोज़ को गहरा हो डार्क करने के लिए आप आयब्रो पेंसिल का इस्तेमाल कर सकते हैं इसके अलावा आप रोज़ाना रात को कोकोनट ऑइल से आयब्रोज़ पर मसाज करें। काजल ने कहा।

### डार्क आई शेडोज़ हैं आपके बेस्ट फ्रेंड

काजल का कहना है कि अगर आपकी आखें बड़ी हैं और आप उन्हें छोटी दिखाना चाहते हैं तो डार्क आय शेडोज़ आपके बेट्स फ्रेंड्स हैं। काजल ने कहा, डार्क आय शेडोज़ को आप आयलिड के कार्नर पर ज्यादा अप्लाय ना करें, इसे आयलिड के सेंटर पर अप्लाय करें। डार्क शेड्स का इस्तेमाल रात को ही करें, दिन में अपनी आँखों को छोटा दिखाने के लिए आप आउटर आयलिड को डार्क कलर का टच दे सकते हैं।

### आय-लाइनर को अपनाएं

70% और 80% के ज़माने में जैसे अभिनेत्रियाँ आँखों की कोरों को लम्बा कर लेती थीं उन्हें आज एक नाम मिल गया है और वो है आय-लाइनर! काजल ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि स्टाइल में आय-लाइनर लगाना भी बड़ी आँखों के लिए बहुत अच्छा होता है। क्यूंकि बड़ी आँखें अक्सर गोल होती हैं तो, आयलाइनर से सजाने से उन्हें हल्की लम्बाई मिलती है और आँखें लम्बी दिखाई देती हैं। इससे आपको कैट आय का लुक भी मिलता है। अच्छी बात यह है कि इसका फैशन हमेशा ट्रेंड में रहा है।

### लोअर लैशेज़ पर लगाएं मस्कारा

बड़ी आँखों वालों को इस बात का ध्यान रखना चाहिये कि मस्कारा उनके लोअर आय-लैशेज़ के लिए ही बना है। बड़ी आँखों को छोटा दिखाने एक लिए मैं मस्कारा को हमेशा अपने लोअर आय-लैशेज़ पर लगाती हूँ। ऊपर वाले आय-लैशेज़ पर मस्कारा लगाने से आँखें और भी बड़ी लगती हैं। काजल ने कहा। काजल ने बताया कि वो कई बार अपनी आँखों पर मस्कारा अवॉयड भी करती हैं।

### काजल भी होना चाहिए डार्क

काजल ने बताया कि बड़ी आँखों के लिए डार्क काजल का इस्तेमाल करना चाहिए। मैं डार्क और मोटी लाइन्स के काजल आँखों के इनर लाइन्स पर लगती हूँ, जिससे आँखों के बॉर्डर डार्क हो जाते हैं और आँखें छोटी नज़र आती हैं। काजल ने कहा। काजल ने बताया कि ट्रेंड की बात की जाए तो आजकल व्हाइट और तरह-तरह के रंग के काजल और आय-लाइनर का फैशन है, मगर उन्हें अफ़सोस है कि बड़ी आँखों के लिए वो इनका इस्तेमाल नहीं कर सकतीं।








# पशुओं के लिए 'सम्पूर्ण आहार' पद्धति

*हाल ही में 'संपूर्ण आहार' पद्धति उपयोग में लायी जा रही है जिसमें फैक्ट्रियों से निकलने वाले अवशेष का उचित उपचार करके पशुओ को खिलाया जा सकता है। इस संपूर्ण आहार पद्धति का मूल सिद्धांत यह है कि पशुओ को दाना एवं चारे के साथ अन्य पोषक तत्वों को मिलाकर श्रम की भी बचत कर सकते हैं जिनका उपयोग हम कार्यों में ले सकते हैं।*



## राशन के अवयवों के अनुपात को नियंत्रित करना

सम्पूर्ण आहार के रूप में कम गुणवत्ता वाले चारे एवं दाने के अवशेषों को भी उपयोग किया जा सकता है। संपूर्ण आहार बनाने के लिए खाद्य पदार्थों को प्रकमण करके उसकी गुणवत्ता भी बढ़ायी जा सकती है। इससे खाद्य पदार्थों के कण का आकार भी कम हो जाता, जिससे इनका पाचन बढ़ जाता है। संपूर्ण आहार से न केवल पोषक तत्वों की उपयोगिता बढ़ जाती है, बल्कि उनकी गुणवत्ता बढ़ जाती है। अतः इससे कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाला राशन बनाया जा सकता है। जिससे अंततः दुग्ध उत्पादन बढ़ता है।

सम्पूर्ण आहार के रूप में खाद्य पदार्थ पशुओं के लिए उपलब्ध रहते हैं। यशेच्छ आहार के रूप में पशु को खिलाने से वे अपनी इच्छानुसार खाते हैं, जिससे खाद्य पदार्थ व्यय या बरबाद हो जाते हैं। इससे पशुओं को पोषक तत्वों की कमी हो जाती है।

संपूर्ण आहार के रूप में पशुओं को खिलाने से रुमेन पर भार कम पड़ता है जिसके एसिटिक, प्रोपियोनिक एसिड का अनुपात नियंत्रित रहता है, जिससे दूध में वसा की मात्रा बढ़ जाती है। खेती के दौरान अनाजों से बचने वाले अवशेषों की घनत्व 30–50 कि.ग्रा./मीटर$^3$ होती है तथा सम्पूर्ण आहार के एक ब्लॉक का घनत्व 360–650 कि.ग्रा./मी.$^3$ होती है। सम्पूर्ण आहार को ब्लॉक या पैलेट के रूप में बनाया जा सकता है, जिससे इनका आवागमन आसानी से हो जाता है।

## सम्पूर्ण आहार पद्धति के लाभ

सम्पूर्ण आहार में 60 प्रतिशत मिश्रित चारा होता है जिसमें 35 प्रतिशत गेहूं का भूसा + 15 प्रतिशत बरसीम हे होता है। कुछ प्रयोगों में यह पाया गया है कि बछड़ों को संपूर्ण आहार खिलाने से उनकी वृद्धि दर 450 – 970 ग्राम प्रतिदिन तक हो सकती है। भूसे को यूरिया से उपचारित करके संपूर्ण आहार के रूप में खली के साथ खिलाया जा सकता है। ऐसे सम्पूर्ण आहार 4–8 लीटर दूध प्रतिदिन देने वाली गायों एवं भैंसों के लिए उपर्युक्त है।

## सम्पूर्ण आहार पद्धति की सीमाएं

कुछ पशुपालकों द्वारा यह पाया गया कि ज्यादा दिनों तक पशुओं को संपूर्ण आहार खिलाने से पाचन क्रिया में बाधा एवं जोड़ों से संबंधित रोग उत्पन्न होने लगते हैं। ये समस्याएं कम गुणवत्ता वाले चारे खिलाने या फिर ज्यादा पिसे हुए दाने खिलाने के कारण हो सकती है। गर्भावस्था के दौरान पशुओं में पोषक तत्वों की आवश्यकता बहुत ज्यादा होती है जिनकी कमी को संपूर्ण आहार के द्वारा भी पूरा नहीं किया जा सकता है।



## उन्नत किस्में

**पूसा ए-4**
- यह भिंडी की एक उन्नत किस्म है।
- यह प्रजाति 1995 में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा निकाली गई हैं।
- यह एफिड तथा जैसिड के प्रति सहनशील हैं।
- यह पीतरोग यैलो वेन मोजैक विषाणु रोधी है।
- फल मध्यम आकार के गहरे, कम लस वाले, 12.15 सेमी लंबे तथा आकर्षक होते हैं।
- बोने के लगभग 15 दिन बाद से फल आना शुरू हो जाते है तथा पहली तुड़ाई 45 दिनों बाद शुरू हो जाती हैं।
- इसकी औसत पैदावार ग्रीष्म में 10 टन व खरीफ में 15 टन प्रति हे. है।

## परभनी क्रांति

- यह किस्म पीत रोगरोधी है।
- यह प्रजाति 1985 में मराठवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय, परभनी द्वारा निकाली गई हैं।
- फल बुआई के लगभग 50 दिन बाद आना शुरू हो जाते है।
- फल गहरे हरे एवं 15.18 सेमी. लम्बे होते हैं।
- इसकी पैदावार 9.12 टन प्रति हे. है।

## पंजाब-7

- यह किस्म भी पीतरोग रोधी है। यह प्रजाति पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा निकाली गई हैं। फल हरे एवं मध्यम आकार के होते हैं। बुआई के लगभग 55 दिन बाद फल आने शुरू हो जाते है। इसकी पैदावार 8.12 टन प्रति हे. है।

## अर्का अभय :

- यह प्रजाति भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा निकाली गई हैं।
- यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है।
- इसके पौधे ऊँचे 120.150 सेमी सीधे तथा अच्छी शाखा युक्त होते हैं।

## अर्का अनामिका :

- यह प्रजाति भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा निकाली गई हैं।
- यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है।
- इसके पौधे ऊँचे 120.150 सेमी सीधे व अच्छी शाखा युक्त होते हैं।
- फल रोमरहित मुलायम गहरे हरे तथा 5.6 धारियों वाले होते हैं।
- फलों का डंठल लम्बा होने के कारण तोड़ने में सुविधा होती हैं।
- यह प्रजाति दोनों ऋतुओं में उगाई जा सकती हैं।
- पैदावार 12.15 टन प्रति हे. हो जाती हैं।

## वर्षा उपहार:

- यह प्रजाति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा निकाली गई हैं।
- यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है।
- पौधे मध्यम ऊँचाई 90.120 सेमी तथा इंटरनोड पास पास होते हैं।
- पौधे में 2-3 शाखाएं प्रत्येक नोड से निकलती हैं।
- पत्तियों का रंग गहरा हरा, निचली पत्तियां चौड़ी व छोटे छोटे लोब्स वाली एवं ऊपरी पत्तियां बडे लोब्स वाली होती हैं।
- वर्षा ऋतु में 40 दिनों में फूल निकलना शुरू हो जाते हैं व फल 7 दिनों बाद तोड़े जा सकते हैं।
- फल चौथी पांचवी गठियों से पैदा होते हैं। औसत पैदावार 9.10 टन प्रति हे. होती हैं।
- इसकी खेती ग्रीष्म ऋतु में भी कर सकते हैं।

## हिसार उन्नत

- यह प्रजाति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा निकाली गई हैं।
- पौधे मध्यम ऊँचाई 90.120 सेमी तथा इंटरनोड पासपास होते हैं।
- पौधे में 3-4 शाखाएं प्रत्येक नोड से निकलती हैं। पत्तियों का रंग हरा होता हैं।
- पहली तुड़ाई 46-47 दिनों बाद शुरू हो जाती हैं।
- औसत पैदावार 12-13 टन प्रति हे. होती हैं।
- फल 15.16 से.मी. लम्बे हरे तथा आकर्षक होते हैं।
- यह प्रजाति वर्षा तथा गर्मियों दोनों समय में उगाई जाती हैं।

## वी.आरओ-6

- इस किस्म को काशी प्रगति के नाम से भी जाना जाता है।
- यह प्रजाति भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी द्वारा 2003 में निकाली गई हैं।
- यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है।
- पौधे की औसतन ऊँचाई वर्षा ऋतु में 175 सेमी तथा गर्मी में 130 सेमी होती है।
- इंटरनोड पास-पास होते हैं।
- औसतन 38 वें दिन फूल निकलना शुरू हो जाते हैं ।
- गर्मी में इसकी औसत पैदावार 13.5 टन एवं बरसात में 18.0 टन प्रति हे. तक ली जा सकती है।

# देशी परंपरागत ड्रिप सिंचाई अपनाएं

**सिंचाई की अलग-अलग अपनायी जाने वाली विधियों में से घड़ा सिंचाई प्रणाली एक बहुत ही सस्ती और सरल विधि है। यह प्रणाली शुष्क और पानी की अत्यधिक कमी वाले क्षेत्रों के लिए बहुत ही लाभदायक हैं । इस प्रणाली से फलदार और वानिकी पौधों को आसानी से स्थापित किया जा सकता है। इस प्रणाली से सब्जियों की भी खेती की जा सकती हैं । यह प्रणाली ड्रिप सिंचाई प्रणाली का एक बेहतर विकल्प है। निम्नलिखित दशाओं में इस विधि को सफलतापूर्वक अपनाया जा सकता है।**

- जहॉ पानी की अत्यधिक कमी हो या पानी अत्यधिक मंहगा हो।
- उबड़ खाबड़ भूमियों में जहां भूमि को समतल करना कठिन हो।
- जहां जल लवणयुक्त है जिसके कारण इसे साधारणतया सतही सिंचाई प्रणाली के उपयोग में नहीं लाया जा सकता हो।

**कार्यविधि:** इस विधि में मिट्टी के पके हुए घड़े को जमीन में गर्दन तक दबा दिया जाता हैं। जब घड़ों में पानी भरा जाता है तो पानी घड़े की दीवारों के सूक्ष्म छिद्रों से पानी निकलकर आसपास की मृदा को तर करता है। यह पानी पौधों की आवश्यक वृद्धि के लिए उत्तम नमी बनाए रखता है। घड़े में पानी की कमी को एक निश्चित अंतराल पर पानी डालकर पूरा कर दिया जाता है। इस प्रकार मृदा में लगातार नमी की पूर्ति होती रहती है।

**घड़े की विशेषताएं:**
- घड़ा छिद्रयुक्त हो।
- ज्यादा चमकीला नहीं हो।
- घड़ा करीब 7–10 लीटर क्षमता का हो। लेकिन पौधे और फसल के अनुसार बड़ा भी लिया जा सकता है।
- पानी:– घड़े में साफ पानी ही भरें क्योंकि गंदे पानी भरने से घड़े के छिद्र बन्द हो जाते हैं। प्रति घड़ा पानी की आवश्यक मात्रा जलवायु पर मुख्यतया निर्भर करती है। निम्न वाष्पीकरण की दशा में 1–1.5 लीटर पानी प्रतिदिन जबकि उच्च वाष्पीकरण की दशा में 2–2.5 लीटर पानी की आवश्यकता होती है।

**लाभ:**
- देशी सिंचाई प्रणाली की तुलना में 60 – 90 प्रतिशत से अधिक पानी की बचत
- सस्ती व उपयोग में सरल।
- पर्यावरण पर कोई प्रभाव नहीं।
- खरपतवार का नियंत्रण ।
- सतही वाष्पीकरण कम होता है।
- गहराई में पानी का रिसाव नहीं होता है जबकि सतही सिंचाई में करीब 50 प्रतिशत पानी गहराई में रिसकर नष्ट हो जाता है।
- भूमि क्षरण में कमी।
- कृषि यंत्रों का कम प्रयोग।



राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 5 नवंबर 2026

# सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

## सिद्धू हॉस्पिटल में इलाज के नाम पर थम नहीं रहा लापरवाही का खेल

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in



डॉ. सिद्धू : डिग्री पर सवाल, मचा बबाल।

**स्वास्थ्य** सेवाओं के नाम पर इंसानियत को शर्मसार करने वाले मामले लगातार सामने आ रहे हैं, लेकिन जब जिम्मेदार महकमा आंखें मूंद ले, तो झोलाछाप और फर्जीवाड़े का कारोबार करने वाले अस्पताल मौत के सौदागर बन जाते हैं। सिवनी नगर से सटे ग्राम मरझोर में संचालित सिद्धू हॉस्पिटल इन दिनों एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार मामला किसी सामान्य लापरवाही का नहीं, बल्कि एक वृद्ध महिला की जान जाने का है।

सवाल यह खड़ा होता है कि क्या इस अस्पताल में इलाज हो रहा है या मौत बांटी जा रही है? यह सवाल इसलिए भी बेहद गंभीर है क्योंकि इस अस्पताल के लाइसेंस और तथाकथित डॉक्टर की डिग्री पर पहले से ही तलवार लटकी रही है। सूत्रों के अनुसार, डॉ. सिद्धू की डिग्री और अस्पताल के वैध संचालन पर लंबे समय से गंभीर सवाल उठते आए हैं, बावजूद इसके जिला प्रशासन की चुप्पी कई बड़े संदेहास्पद इशारे करती है।

### आईसीयू के नाम पर छलावा और इलाज के नाम पर लापरवाही

ताजा मामले में, सिद्धू हॉस्पिटल में एक वृद्ध मरीज की संदिग्ध मौत के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और अस्पताल परिसर में भारी हंगामा हुआ। पीड़ित परिजनों ने सीधे तौर पर अस्पताल प्रबंधन पर गलत इलाज और गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

# सिद्धू हॉस्पिटल या मौत का सौदाघर?

## वृद्ध महिला की मौत पर फूटा परिजनों का गुस्सा

क्या इस अस्पताल में इलाज हो रहा है या मौत बांटी जा रही है? यह सवाल इसलिए भी बेहद गंभीर है क्योंकि इस अस्पताल के लाइसेंस और तथाकथित डॉक्टर की डिग्री पर पहले से ही तलवार लटकी रही है।




अस्पताल या मौत का घर : सिद्धू हॉस्पिटल में वृद्ध की मौत पर हंगामा।

### पहले भी उठते रहे हैं फर्जी डिग्री और लाइसेंस के सवाल

यह कोई पहला मौका नहीं है जब सिद्धू हॉस्पिटल विवादों के घेरे में आया हो। स्थानीय जानकारों के मुताबिक, इस अस्पताल के रजिस्ट्रेशन, लाइसेंस और यहां मरीजों का इलाज करने वाले तथाकथित डॉक्टर सिद्धू की डिग्री की सत्यता पर पहले भी कई बार गंभीर सवाल उठाए जा चुके हैं। आरोप यहां तक हैं कि बिना किसी मान्यता प्राप्त मेडिकल डिग्री के, केवल कागजों के हेरफेर और झोलाछाप तरीकों से मासूम मरीजों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। सवाल यह है कि आखिर किसके संरक्षण में यह अस्पताल धड़ल्ले से संचालित हो रहा है? क्या स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहे थे? या फिर मोटी रकम के बोझ में उनकी जिम्मेदारी दम तोड़ रही है?

### बायो-वेस्टेज निस्तारण के नियमों की भी हो रही है धज्जियां

सुद्धू हॉस्पिटल पर केवल इलाज में लापरवाही और फर्जी डिग्री के ही आरोप नहीं हैं, बल्कि पर्यावरण और जनस्वास्थ्य से जुड़े बायो-मेडिकल वेस्ट के निस्तारण को लेकर भी बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। नियमों के अनुसार अस्पतालों से निकलने वाले खतरनाक मेडिकल कचरे का सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीकों से निस्तारण होना अनिवार्य है, लेकिन आरोप है कि सुद्धू हॉस्पिटल द्वारा इन तमाम नियमों को ताक पर रख लापरवाहीपूर्ण प्रबंधन किया जा रहा है, जो पर्यावरण के लिए भी एक बड़ा खतरा बनता जा रहा है।

घटना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए परिजन कुनाल ठाकुर ने बताया कि उनकी नानी के सीने और पीठ में अचानक तेज दर्द उठा था। परिवार घबरा गया और तुरंत बेहतर इलाज की उम्मीद में उन्हें ग्राम मरझोर स्थित सिद्धू हॉस्पिटल लेकर पहुंचा। अस्पताल के डॉक्टर और अन्य स्टाफ ने मरीज को देखते ही उनकी स्थिति पूरी तरह सामान्य बताई और फौरन इलाज शुरू करने का दावा किया।

कुनाल ठाकुर ने रोष व्यक्त करते हुए कहा, अस्पताल के लोगों ने हमसे जल्दबाजी में एक कागज पर हस्ताक्षर कराए और बिना किसी पुख्ता इंतजाम के नानी को आईसीयू में दाखिल कर दिया। अगर इस अस्पताल में गंभीर मरीजों के इलाज के लिए पर्याप्त इंतजाम या सुविधाएं नहीं थीं, तो उन्हें हमें पहले ही बताना चाहिए था। हम अपनी नानी को किसी अन्य अच्छे अस्पताल में ले जाकर बचा लेते। यह अस्पताल नहीं, बल्कि मौत का अड्डा है। यहां इलाज के नाम पर सिर्फ और सिर्फ पैसे लूटे जा रहे हैं और मौत बांटी जा रही है।

सिवनी के मरझोर स्थित सिद्धू हॉस्पिटल का यह मामला चिकित्सा जगत के माथे पर एक बड़ा कलंक है। यदि समय रहते जिला प्रशासन ने इस मामले में कठोर कार्रवाई नहीं की, तो ऐसे झोलाछाप और फर्जी अस्पताल न जाने कितने बेकसूर लोगों की जान यूं ही लीलते रहेंगे। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस हंगामे और मीडिया की खबरों के बाद कुंभकर्णी नींद से जागता है या फिर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।



कुनाल ठाकुर, पीड़ित : मेरी नानी की मौत सिद्धू हॉस्पिटल की लापरवाही के कारण हुई।

### जिला प्रशासन से उच्च स्तरीय जांच और कार्रवाई की मांग

वृद्ध महिला की अकाल मौत के बाद परिजनों में भारी आक्रोश व्याप्त है। पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन, कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से मांग की है कि सिद्धू हॉस्पिटल के वैध रजिस्ट्रेशन और लाइसेंस की तत्काल जांच की जाए। अस्पताल में मरीजों का इलाज करने वाले डॉ. सिद्धू और अन्य तथाकथित डॉक्टरों की डिग्रियों का सत्यापन सार्वजनिक किया जाए और लापरवाही से हुई वृद्ध महिला की मौत के मामले में मर्ग कायम कर अस्पताल प्रबंधन पर हत्या व धोखाधड़ी जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हो।

### आरोपों से डॉ का इनकार

वही इस मामले में डॉ सिद्धू का कहना है कि पहले मरीज को सामान्य गैस की परेशानी थी, इलाज किया गया मरीज को आराम भी लग गया था। लेकिन दो बार अटेक आने से इलाज के दौरान मौत हुई है। परिजनों के सभी आरोप निराधार और गलत है।

## डुण्डासिवनी और बंडोल पुलिस की जुआ फड़ पर ताबड़तोड़ कार्रवाई

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

**सिवनी** जिले के डुण्डासिवनी और बंडोल थाना पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए जुआ खेल रहे कुल 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन में अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत, पहली कार्रवाई डुण्डासिवनी थाना क्षेत्र के कबीर वार्ड ज्ञानी मोहल्ला में की गई, जहाँ थाना प्रभारी चैनसिंह उइके के नेतृत्व में पुलिस ने दबिश देकर 08 जुआरियों को पकड़ा और उनके पास से 6,920 रूपये नगद व ताश के पत्ते बरामद किए।

वहीं, दूसरी कार्रवाई थाना बंडोल अंतर्गत ग्राम सागर में की गई, जहाँ थाना प्रभारी उनि. मनोज कुमार जंघेला की टीम ने घेराबंदी कर 05 आरोपियों को जुआ खेलते हुए दबोचा और उनके कब्जे से 4,600 रूपये नगद व 52 ताश के पत्ते जप्त किए। दोनों मामलों में सभी आरोपियों के विरुद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

## बंडोल में विस्फोटक मैगजीनों का औचक निरीक्षण



सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

**राजस्व** और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने सिवनी के बंडोल थाना क्षेत्र में विस्फोटक भंडारण और मैगजीनों का औचक निरीक्षण किया। जिसमें पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एसडीएम, एसडीओपी और थाना प्रभारी बंडोल ने क्षेत्र की तीन प्रमुख मैगजीनों–मुर्तजा एक्सप्लोसिव टोला पिपरिया, माँ शारदा एक्सप्लोसिव सोनाडोंगरी और एस.आर.के. इंटरप्राईजेस बांकी व टोला पिपरिया की जांच की। इस दौरान सुरक्षा मानकों, लाइसेंस, स्टॉक रजिस्टर और अग्निशमन व्यवस्था की बिंदुवार समीक्षा की गई तथा संचालकों को शासन के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए।

## तीसरी मंडई में 'लोक स्वरांजलि' लोक कला की प्रस्तुति 12 को

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

**जिले** के लालबर्रा नगर मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध ग्राम पंचायत बघोली में इस वर्ष भी पारंपरिक 'मंडई उत्सव' का भव्य आयोजन होने जा रहा है। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष आयोजित हो रहे इस तीसरी मंडई उत्सव में छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की अद्भुत छटा देखने को मिलेगी, जिसके तहत सुप्रसिद्ध लोक कला मंच 'स्वरांजलि' सिहावा नगरी, धमतरी का विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।

**पिछले 30 वर्षों से अनवरत जारी है सांस्कृतिक परंपरा**

विदित हो कि ग्राम बघोली में विगत 30 वर्षों से छत्तीसगढ़ अंचल के सुप्रसिद्ध और पारंपरिक अनेकानेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां निरंतर आयोजित की जाती रही हैं। ग्रामीण संस्कृति और लोक कलाओं के संरक्षण की यह परंपरा इस क्षेत्र की एक खास पहचान बन चुकी है।

### रातभर समां बांधेंगे छग के लोक कलाकार

आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी कमलेश खरोले ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ी पारंपरिक लोकनृत्य और संस्कृति के विविध रूपों की जीवंत प्रस्तुतियां दी जाएंगी। आयोजित कार्यक्रम के संचालक एवं कलाकार अपने पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों मे कर्मा गीत, जस, सुवा, गौरा-गौरी, राउत नाचा, पंथी गीत, और छत्तीसगढ़ी लोक नाटक की प्रस्तुति देंगे वहीं कार्यक्रम के संचालक एवं कलाकार इसका निर्देशन हरीश मरकाम द्वारा किया जाता है। इसके प्रमुख गायकों और कलाकारों में राजेश पटेल, विजय साहू, यमुना वट्टी, रिया दुबे, लोकेश्वरी यादव और मनोहर नेताम शामिल हैं जो अपने सुमधुर गीतों से पुरी रात समां बांधेंगे। आयोजित कार्यक्रम में जिलेवासियों से अधिकाधिक उपस्थिती में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील अध्यक्ष कन्हैयालाल धानेश्वर, उपाध्यक्ष जागेश्वर चौधरी आदि ने की।

## रेत का अवैध उत्खनन, वन अमले ने ट्रैक्टर किया जब्त

### गिरफ्तारी की फैली झूठी आफवाह!

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी। संवाददाता

जिले के जंगल कक्ष क्रमांक 306 से लगभग 300 मीटर का अवैध रास्ता बनाकर सिताप्ठोर और चांदाड़ोह के बीच बड़े नाले से खुलेआम रेत का अंधाधुंध उत्खनन किया जा रहा था। वही ग्राम पंचायत तिरोड़ी के निवासी फिरोज खान द्वारा बताया गया है क्षेत्र में चोरी की गई रेत को लगातार तिरोड़ी रेलवे स्टेशन के पास डंप किया जा रहा है। वही 3 नवंबर की रात्रि लगभग 4:30 बजे कुरई वन अमले ने तड़के साहसिक कार्रवाई करते हुए अवैध रेत ले जा रहे ट्रैक्टर को आखिरकार धर दबोचा



बुध्दरत्न रावत।

और जब्त कर लिया। चौंकाने वाली बात यह है कि पिछले दो महीनों के भीतर लगभग 250 ट्रिप रेत की चोरी कर डाली गई है, जिससे अनुमानित तौर पर पांच लाख रुपये से अधिक की सरकारी संपत्ति यानी रेत का अवैध खनन हो चुका है। इस पूरे मामले में फिरोज खान ने बुद्धरतन रावत के ऊपर आरोप लगाया था।

साथ ही यह भी बताया कि यह कोई पहला मौका नहीं है जब अवैध गतिविधियों पर शिकंजा कसा गया हो। इससे महज तीन महीने पहले बालाघाट जिले के डीएफओ जितेन्द्र मीना ने इसी क्षेत्र से ट्रैक्टर पकड़कर राजसात करने की बड़ी कार्रवाई की थी। इसके अतिरिक्त, बालाघाट जिला खनिज विभाग द्वारा भी पूर्व में ट्रैक्टर जब्ती और प्रकरण दर्ज करने की पुख्ता कार्रवाई की जा चुकी है, लेकिन सरकारी तंत्र की ढिलाई का फायदा उठाकर इस तरह की गतिविधियां बार-बार सामने आ रही हैं।

इस पूरे मामले में बुद्धरतन रावत ने अपना पक्ष रखते हुए राष्ट्रबाण को बताया कि जो मेरे ऊपर आरोपों लगे है वह सभी गलत है और आगे अपनी सफाई में बताया कि मेरी गिरफ्तारी की खबर पूरी तरह से निराधार और मनगढ़ंत है। उनका कहना है कि उन्हें इस प्रकरण में जानबूझकर फंसाया जा रहा है और मीडिया में चल रही गिरफ्तारी तथा रेत माफिया होने की खबरें पूरी तरह से असत्य हैं। रावत के अनुसार, तिरोड़ी निवासी फिरोज खान द्वारा दी गई रेत माफिया से जुड़ी जानकारी पूरी तरह से गलत और दुर्भावना से प्रेरित है, जिसका वास्तविक सच्चाई से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।

## कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग की बैठक में की समीक्षा



सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

**कलेक्टर** अंजू अरुण कुमार की अध्यक्षता में जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें रबी सिंचाई व्यवस्था और जलाशयों में जलभराव की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में संजय सरोवर भीमगढ़, रुमाल और पेंच व्यपवर्तन परियोजनाओं सहित अन्य जलाशयों में उपलब्ध पानी, नहरों की सफाई-मर्मत तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं के भू-अर्जन व मुआवजा वितरण की प्रगति का जायजा लिया गया। कम जल उपलब्धता को देखते हुए कलेक्टर ने किसानों को समय पर जल आपूर्ति की जानकारी देने, कम पानी वाली फसलों के चयन के लिए प्रेरित करने और तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि उपलब्ध जल का समुचित उपयोग हो सके।

## कलेक्टर ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

**कलेक्टर** अंजू अरुण कुमार ने बुधवार को जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया तथा व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के कड़े निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी पंजीयन, ऑपरेशन थिएटर, शिशु वार्ड, पोषण पुनर्वास केंद्र, एसएनसीयू, एनसीडी, जनरल वार्ड और ईएनटी वार्ड का सघन भ्रमण कर चिकित्सकों व पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति और उपचार संसाधनों की स्थिति को परखा। इस दौरान कलेक्टर ने विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से सीधे संवाद कर इलाज, दवाइयों की उपलब्धता, भोजन और जांच संबंधी फीडबैक लिया तथा प्राप्त सुझावों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

उन्होंने अस्पताल में दवाइयों के भंडारण और वितरण व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के साथ ही एनआरसी और शिशु वार्ड में कुपोषित बच्चों के उपचार व पोषण स्तर में सुधार के लिए नियमित निगरानी करने पर विशेष जोर दिया।

### जनपद पंचायत की निगरानी व्यवस्था पर सवाल

## पंचायत में ताला बंद, कार्य से कर्मचारी अनुपस्थित

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

**ग्रामीणों** को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने, उनकी समस्याओं का निराकरण करने और पंचायत स्तर पर प्रशासनिक कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए ग्राम पंचायत कार्यालय स्थापित किए गए हैं। लेकिन जब निर्धारित कार्यालयीन समय में ही पंचायत भवन के दरवाजों पर ताला लटका मिले, तो ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान, शासकीय योजना के कार्य और सरकारी व्यवस्था की जवाबदेही पर सवाल उठना लाजिमी है। ऐसा ही मामला जिले के जनपद पंचायत लालबर्रा अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहगांव (बोरी) से सामने आया है।

बुधवार 04 नवंबर को लगभग दोपहर 1 बजे मीडिया द्वारा ग्राम पंचायत कार्यालय का जायजा लिया गया, जहां कार्यालय में ताला लटका हुआ पाया गया। यह स्थिति उस समय सामने आई, जब कार्यालयीन समय के दौरान ग्रामीणों को पंचायत से संबंधित कार्यों के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों की उपलब्धता की अपेक्षा रहती है।

मामले की वास्तविक स्थिति जानने के लिए मीडिया द्वारा पंचायत सचिव यशवंत रंगारे को लगातार कई बार फोन लगाया गया, लेकिन उनके द्वारा एक बार भी फोन रिसीव नहीं किया गया। न तो कार्यालय में कोई जिम्मेदार कर्मचारी उपलब्ध मिला और न ही फोन पर संपर्क स्थापित हो सका। ऐसे में कार्यालय बंद रहने की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई।



### कागजों पर पंचायत व्यवस्था, जमीन पर बंद कार्यालय?

ग्राम पंचायत ग्रामीण प्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। जन्म-मृत्यु पंजीयन, पेंशन, आवास योजना, निर्माण कार्यों, विभिन्न प्रमाण पत्रों और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े कार्यों के लिए ग्रामीणों को पंचायत कार्यालय पहुंचना पड़ता है। ऐसे में कार्यालयीन समय में कार्यालय बंद मिलने से ग्रामीणों को अनावश्यक परेशानी और समय की बर्बादी का सामना करना पड़ सकता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि पंचायत सचिव एवं अन्य जिम्मेदार कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या जनपद पंचायत लालबर्रा के अधिकारियों द्वारा पंचायतों के कार्यालयीन संचालन की निगरानी की जा रही है? यदि कार्यालयीन समय में पंचायत भवन बंद मिलता है, तो इसकी जवाबदेही किस स्तर पर तय होगी?

### सीईओ से जांच और जवाबदेही तय करने की अपेक्षा

मामले को लेकर जनपद पंचायत लालबर्रा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से अपेक्षा है कि ग्राम पंचायत मोहगांव (बोरी) में कार्यालय बंद मिलने की वास्तविक वजह की जांच कराई जाए। संबंधित सचिव से स्पष्टीकरण लिया जाए तथा समय में कर्मचारियों की उपस्थिति और कार्यालय संचालन सुनिश्चित कराया जाए।

**इनका कहना है-**

आपके द्वारा मामले की जानकारी मिली है मै पता करतीं हूं।
-फिरदोस शाह, सीईओ,जनपद पंचायत लालबर्रा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433